जलीय / समुद्री पर्यावरण व बिजली
Aquatic / Marine Environment and Power

- बिजली के प्लांटों को ठंडा करने के लिए पानी का इस्तेमाल किया जाता है । कोयला, तेल, गैस, न्यूक्लियर ईंधन प्रयोग करने वाले सभी बिजली के प्लांटों के लिए इसकी जरुरत पड़ती है ।
- बिजलीघर से निकलने वाला पानी थोड़ा गर्म होता है परंतु यह पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा निर्धारित सीमा से काफी नीचे होता है ।
- बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंसेज़ (बीआरएनएस) के साथ मिलकर सात प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए वैज्ञानिक अध्ययन से पता चला है कि बिजलीघरों से निकलने वाले पानी से मछलियों या समुद्री जीवन को कोई खतरा नहीं होता है ।
- परमाणु बिजलीघर के अनेक वर्षों के प्रचालन से सिद्ध हो चुका है कि पहले ही की तरह व्यापक तादात में मछलियां उपलब्ध रहती हैं ।

- Water is used for cooling in power plant. All power plants using coal, oil, gas, nuclear fuel have this cooling requirements.
- The water released from the power plant is slightly warm but well below the limit prescribed by Ministry of Environment & Forests.
- Scientific study by seven reputed universities in collaboration with Board of Research in Nuclear Sciences (BRNS) has found that, water discharged from power stations does not effect fish or other marine life.
- The operation of nuclear power plants over several years have shown that there is bountiful catch of fishes as always.

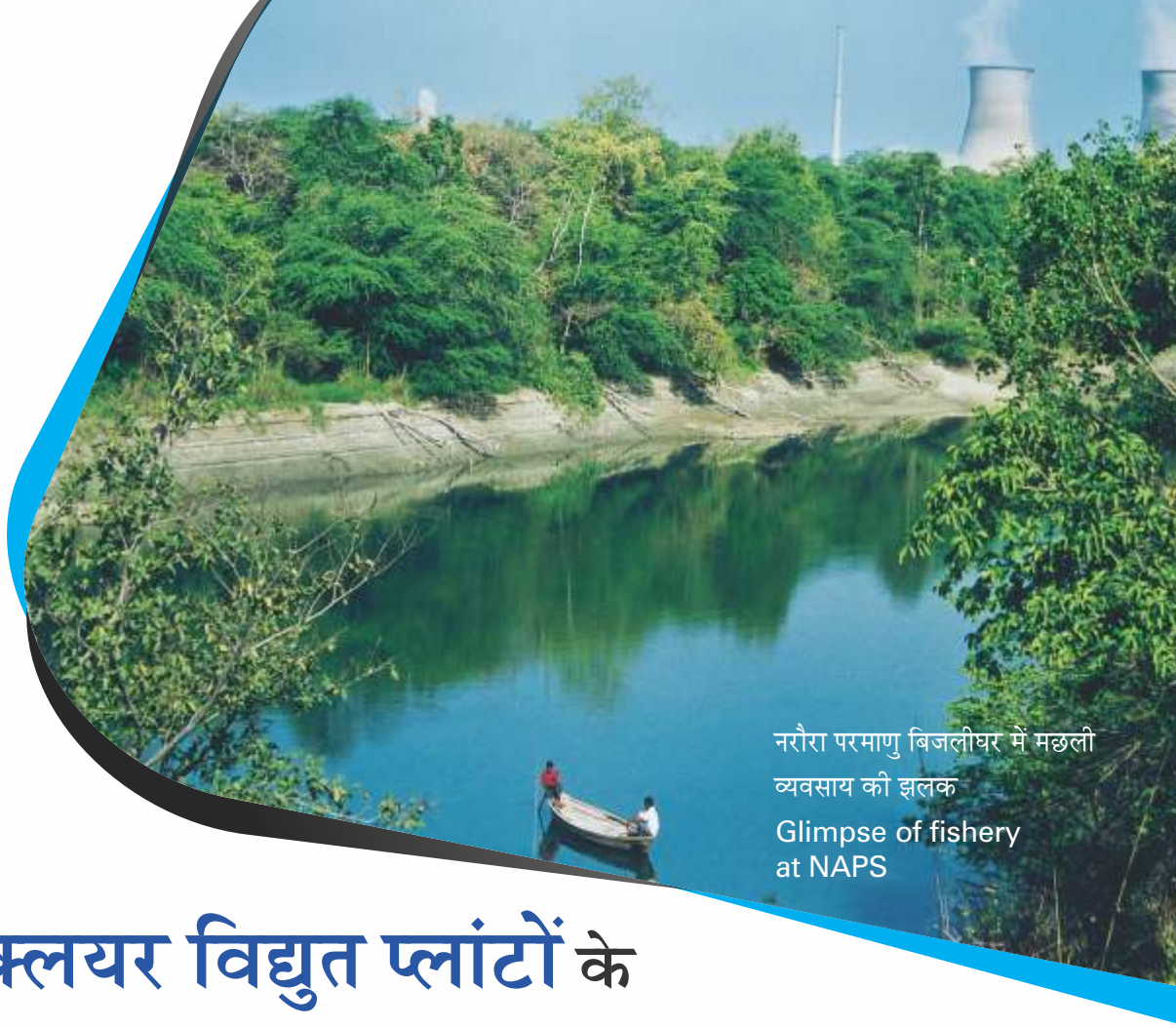

नरौरा परमाणु बिजलीघर में मछली व्यवसाय की झलक

Glimpse of fishery at NAPS

न्यूक्लियर विद्युत प्लांटों के आस-पास मछली व्यवसाय पहले की ही तरह लगातार जारी है ।

The fishing activities are continued around the Nuclear Power Plants

प्रकाशक : निगम योजना एवं निगम संचार निदेशालय (सीपी एंड सीसी)

6-एस-14, विक्रम साराभाई भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई - 400 094. ई-मेल : cpcc@npcil.co.in, वेबसाईट : www.npcil.nic.in

Published by: Directorate of Corporate Planning & Corporate Communications (CP&CC)

6-S-14, Vikram Sarabhai Bhawan, Anushakti Nagar, Mumbai - 400094, E-mail: cpcc@npcil.co.in, Website: www.npcil.nic.in

एनपीसीआईएल
NPCIL